कोशिश रहती है सब ठीक हो जाए

हरिभूमि न्यूज. रायपुर

रोशनी का महत्व क्या होता है, यह बात वही व्यक्ति बता सकता है, जिसे इसे खोने का डर रहता है। एमजीएम नेत्र संस्थान के 10 साल पूरे होने के अवसर पर संस्था की डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने एक विशेष बातचीत में बताया, एक डॉक्टर के लिए मरीज की जिंदगी में खुशियां लाने से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

उन्होंने कहा, डॉक्टर की जिंदगी में मरीज को ठीक करना ही सब-कुछ होता है। मानव जीवन के लिए रोशनी ईश्वर की सबसे बड़ी देन है। उनके संस्थान का भी मुख्य उद्देश्य लोगों की अधिक से अधिक सहायता करना है।

अभी तक संस्थान ने 3 लाख से ज्यादा मरीजों का उपचार और करीब 40 हजार ऑपरेशन किए गए हैं। बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध होने के बाद अब प्रदेश के लोगों को इलाज के लिए बाहर जाना नहीं पड़ता। इसमें जटिलतम रेटीना, ग्लूकोमा (कांचियाबिंद), मोतियाबिंद की प्लास्टिक सर्जरी और बच्चों की आंखों के जटिलतम ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक किए गए हैं। उन्होंने कहा, उपचार व्यवस्था के तहत यदि कोई मरीज आर्थिक रूप से कमजोर रहता है, तो उसका पूरा इलाज मुफ्त किया जाता है। अभी-तक निःशुल्क सेवा 9 करोड़ रुपए तक की हो चुकी है।

नेत्र शिक्षा पर दिया जोर

एमजीएम नेत्र संस्थान ने चिकित्सकीय कार्यक्रमों के साथ नेत्र शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया है। संस्थान में डीएनबी, बीएससी आप्टोमेटरी, केंद्र सरकार के द्वारा अधिकृत देश के सरकारी नेत्र विशेषज्ञों के लिए ट्रेनिंग सेंटर है। इसके माध्यम से स्किल्ड नेत्र विशेषज्ञ और पैरामेडिकल स्टाफ तैयार किए जा रहे हैं।

इनसे चिकित्सकीय अनुबंध

- एसईसीएल
- एनएमडीसी
- एनटीपीसी
- रेलवे
- इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड
- एयरपोर्ट

एमजीएम नेत्र संस्थान के 11 साल पूरे

रायपुर. एमजीएम नेत्र संस्थान ने अपनी स्थापना के सफलतापूर्वक 11 साल पूरे कर लिये हैं. इस अवसर पर संस्थान की डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल का कहना है कि एमजीएम ने अपने उद्देश्य के अनुरूप लक्ष्य को प्राप्त किया है. अब तक लगभग 4 लाख मरीजों का उपचार और लगभग 50 हजार ऑपरेशन किये गये हैं.

जटिलतम रेटीना, ग्लूकोमा,

कैनवास पर कूची से उकेरे जज्बात

वर्कशॉप में प्रतिभागियों को पेंटिंग से संबंधित हर पहलू की प्रैक्टिकल जानकारी दी गई।

सिटी रिपोर्टर ▸ रायपुर

खूबसूरत पेंटिंग में फिनिशिंग टच का सबसे महत्वपूर्ण रोल होता है। यदि पेंटर इस पक्ष में कमजोर है तो कई बार उसकी पूरी मेहनत बेकार हो जाती है, तो इस पर विशेष ध्यान दें। एमजीएम नेत्र संस्थान में युवा कलाकारों को प्रोत्साहन करने के मकसद से लगाई गई पेंटिंग वर्कशॉप में मौजूद एक्सपर्ट्स ने ये जानकारी दी। संस्थान की डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि दो दिवसीय वर्कशॉप के पहले दिन छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र एवं उतर प्रदेश के कलाकारों ने हिस्सा लिया है। डॉ. सुनीता वर्मा ने कार्यक्रम का संयोजन किया, जो कि खुद छत्तीसगढ़ की प्रमुख कलाकार हैं। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के मदन लाल ने प्रतिभागियों को संगमरमर, ब्रांज, मिट्टी, फाइबर, आयरन आदि अनेक विधाओं की जानकारी दी। ओडिशा से सूरत चौधरी, भिलाई से हुकुमलाल वर्मा, नसीराबाद से श्याम कुमावत ने प्रतिभागियों को पेंटिंग के बेसिक सिखाने के अलावा कई टिप्स भी दिए।

एमजीएम में डायबिटिक ब्लाइंडनेस पर कार्यशाला

रायपुर. एमजीएम नेत्र संस्थान, सड्डू में क्रूसेड अंगेस्ट डायबिटिक ब्लाइंडनेस कॉन्फ्रेंस रविवार को आयोजित की गई जिसमें डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि डायबिटिक पूरे विश्व में एक विकराल रूप ले रही है, एक अनुमान के अनुसार 2030 में पूरे विश्व के आदे डायबिटिक मरीज एशिया में होंगे. डायबिटिक एक ऐसी बीमारी है जिसका प्रभाव शरीर के हर अंग पर होता है. उसके साथ आंखों पर भी असर होता है. इस अवसर पर आरपी सेंटर एम्स के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. राजवर्धन आजाद ने डायबिटिक रेटिनोपेथी के मेडिकल मैनेजमेंट के बारे में बताया. संस्थान के डॉ. सुमीत मल्होत्रा एवं डॉ. गीतुमनी शर्मा ने भी डायबिटिक रेटिनोपैथी के कारण एवं उसका लेजर व इंजेक्शन से उपचार के बारे में बताया.

CityLine TheHitavada Sunday ■ November 22 ■ 2015

MGM Eye Institute, Raipur completes 11 years of its service to mankind

■ Staff Reporter
RAIPUR, Nov 21

Team MGM Eye Institute posing for a group picture on the eve of the institute's 11th anniversary.

MGM Eye Institute, Raipur will complete 11 successful years of its establishment on Sunday, November 22, 2015.

On the eve of 11th anniversary, Dr. Deepshikha Agrawal, Director of MGM Institute, said that since inception in 2004, the institute is providing high quality eye care services with highly competent human resource and state-of-the-art ophthalmic equipments and instruments to all segments of the population including the underprivileged in an equitable manner and presently it is one of the best eye care Institutes in Central India.

Dr. Deepshikha informed that so far about 4 lakh patients were examined and performed about 50 thousand eye surgeries which include complicated ones like vitreo-retina, glaucoma, cataract, oculoplasty, pediatric surgeries and penetrating keratoplasty.

She further said that the institute has world class equipments, state-of-the-art operation theatres with professional and competent human resource. As such, people have the advantage of best eye care services in the state itself and need not go to other states and cities for eye care treatment. Considering all these facilities she added that reputed organization like National Thermal Power Corporation (NTPC), National Mineral Development Corporation (NMDC), South East Central Railways, Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL), Raipur, Chhattisgarh State Power Development Company, Raipur, Airport Authority of India have made tie-up with the institute and referring their employees for treatment.

The MGM Eye Institute is committed to treat 50 per cent of the patients free of cost to the economically underprivileged. The Institute has a dedicated Community Outreach Team and is screening the patients in Camp Mode in villages and industries. Since inception, the Institute has so far provided services to the underprivileged and economically weaker section of population worth rupees more than 10 Crores totally free of cost which includes major surgeries like Cataract, Glaucoma, Vitreo-retina, Penetrating Keratoplasty (Corneal transplantation), and Oculoplasty.

The institute has started 'MGM Anjor Mela' programme recently and under this programme it is aimed to reach everyone residing in villages of Chhattisgarh with having eye problems to be screened and perform surgeries at the base hospital to eliminate needless blindness. Meanwhile, more than1 lakh children are examined through school screening programs under outreach activities. The institute is emphasizing on 'Eye Care Education' programme to School Students.

Now-a-days, diabetic is a part of non-communicable disease which badly affects the eyes as such the institute is screening patients having diabetes as a special initiative. Retinopathy of Prematurity (ROP) in children is a major cause of childhood blindness, considering the severity of the disease the institute is screening patients with utmost care and by experienced ophthalmologists.

Apart from the clinical services the institute is giving importance to the education activity. The institute is offering DNB course under National Board of Examinations, New Delhi, and BSc. in Optometry course. Moreover, the Institute is also recognized as Training Centre for Government States' Medical Colleges/Union territories Ophthalmologists. The institute is also offering a two-year fellowship programme in various ophthalmology disciplines and also imparting training to skilled and paramedical staff of eye care services.

On the occasion of completion of 11th year, MonPackONE (ERG,EOG,VEP) machine has installed in the institute and this is the first machine of its kind in Central India. Now complicated cases of retina, optic nerve, glaucoma can be identified and diagnosed.

Taking the opportunity of completion of successful 11 glorious years on November 22nd, 2015, Dr. Deepshikha also expressed her gratitude to the State Government, NGOs and all those who have supported and trusted the institute.

रायपुर, रविवार, 22 नवंबर 2015 रायपुर हरिभूमि

मध्य भारत का अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय

एम. जी. एम. नेत्र संस्थान

के सफलतम् 11 वर्ष

★ उपलब्धियां

- 4 लाख मरीजों का उपचार
- 50 हजार नेत्रों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन
- 1 लाख बच्चों का नेत्र जाँच एवं 5 हजार बच्चों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन
- 10 करोड़ रुपये से अधिक की पूर्णतया: निःशुल्क चिकित्सा सेवायें निःशक्तजनों के लिए
- ट्रेनिंग सेंटर – ऑप्थेल्मोलोजी में पोस्ट ग्रेजुएशन, ऑप्टोमेट्री, शासकीय एवं अन्य नेत्र चिकित्सकों का सर्जरी में प्रशिक्षण
- मध्यभारत की प्रथम ERG, EOG, VEP (MonPackONE) मशीन

★ योजनाएं (22 नवंबर से शुरू)

- "एम.जी.एम. अंजोर मेला" राज्य के हर कोने तक नेत्र ज्योति को पहुंचाना
- डायबिटीक रेटीनोपैथी के जाँच शिविर
- रेटीनोपैथी ऑफ प्रीमेच्युरिटी (ROP) बच्चों की नियमित जाँच

★ उपलब्ध सेवाऐं

- मोतियाबिन्द एवं फेको
- ग्लोकोमा (काँचियाबिन्द)
- विट्रियोरेटिना एवं लेजर
- कॉर्निया एवं नेत्र प्रत्यारोपण
- शिशु नेत्र रोग एवं भैंगापन
- आँखों की प्लास्टिक सर्जरी एवं कस्टम मेड प्रोस्थेसिस
- न्यूरो ऑप्थेलमोलॉजी
- यूविया
- लो-विजन (अत्यंत कमजोर दृष्टि)
- कॉन्टेक्ट लैंस
- आई बैंक
- कम्युनिटी आउट-रीच

अंधत्व निवारण के महाअभियान हेतु समर्पित

एम. जी. एम. नेत्र संस्थान

5 वां मील विधान सभा रोड, रायपुर 493111 (छ.ग.)

फोन : 0771 2970670, 71, 72, वेबसाईट : www.mgmeye.org

एमजीएम प्रदेश का पहला ट्रेनिंग सेंटर

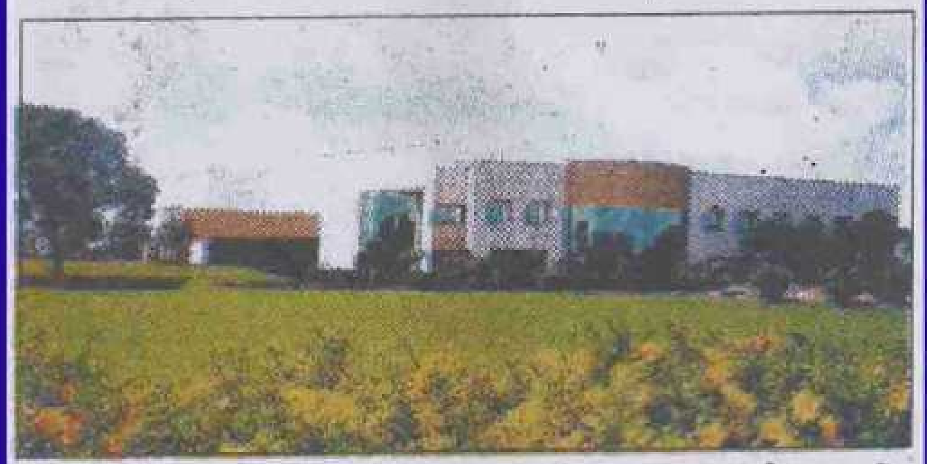

रायपुर। एमजीएम नेत्र संस्थान छत्तीसगढ़ राज्य में अपनी सेवाओं के 10 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। संस्थान की डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत् नेत्र संस्थान को देश के सभी सरकारी एवं मेडिकल कॉलेज के नेत्र विशेषज्ञों की ट्रेनिंग के लिए अधिकृत किया है। केंद्र से एक उच्च स्तरीय टीम ने संस्थान का अवलोकन करके इस संस्थान को ट्रेनिंग के लिए उपयुक्त पाया। यह राज्य का पहला और देश का इक्तीसवां सेंटर है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के सभी नेत्र विशेषज्ञों को उत्कृष्ट ट्रेनिंग देना है जिसके द्वारा वो अपनी सेवाएं देकर अंधत्व निवारण में सहयोग करें। इसके अंतर्गत मोतियाबिंद ऑपरेशन, एसआईसीएस, फेको, लो विजन, मेडिकल रेटीना की ट्रेनिंग दी जाएगी।

जापान में एमजीएम का शोधपत्र

हरिभूमि न्यूज. [illegible]

टोकियो में [illegible] कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व के लगभग 20 हजार नेत्र विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। [illegible]

आपटोमेटरी विषय पर सेमिनार

हरिभूमि न्यूज. [illegible]

[illegible]

एमजीएम में आर्बिस पार्टनर वर्कशॉप

रायपुर. एमजीएम नेत्र संस्थान द्वारा 10 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में इनोवेशन एट वर्क विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया . इस कार्यशाला में देशभर से आए 100 से अधिक नेत्र चिकित्सकों ने हिस्सा लिया. कार्यशाला में स्वागत भाषण देते हुए डॉ. दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहां टरसरी आई केयर सेंटर की आवश्यकता महसूस की गई और यह देखते हुए एमजीएम नेत्र संस्थान की स्थापना 2004 में की गई. इस अवसर पर ऑर्बिस के कंट्री डायरेकटर डॉ. राहुल अली ने बताया कि ऑर्बिस नेत्र संस्थानों का पिडाट्रिक अप्थॉलमोलॉजी के अलावा कुछ महत्व विषयों जैसे क्वालिटी एश्योरेंस इनोवेशन वर्क पर सहयोग करेगी. कार्यशाला में अरबिंद आई केयर सेंटर से डी तुलसीदास, एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान हैदराबाद से डॉ. बिपिन एंथोनी, न्यूयॉर्क से डॉ. स्टीवन एवं सुगंधा के साथ गोवहाटी, बैंगलौर, उदयपुर, जयपुर, दाहोद, मुरादाबाद, कानपुर एवं दिल्ली से आए नेत्र चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की. कार्यशाला में एमजीएम से डॉ. सम्राट चटर्जी, डॉ. अनुपम साहू, डॉ. मिहिर मिश्रा एवं डॉ. सुमित मल्होत्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

Orbis India parteners' workshop held at MGM Eye Institute

Participants, including doctors, managers from eye care institutions across the country, giving patient hearing to speech of Dr Deepshikha Agrawal (Inset), Director of MGM Eye Institute during workshop. Delegates having arrived from different parts of the country to Raipur for attending workshop posed for a group photo session post the valedictory function.

■ Staff Reporter
RAIPUR, Aug 24

ORBIS International organized a two-day workshop on "Innovation at Work" in collaboration with MGM Eye Institute at Raipur on August 23 & 24, 2014. The workshop brought together doctors and managers from eye care institutions across the country. The aim of the workshop was to further the development of an ecosystem of innovation in the eye care sector. Dr Vinay Dabholkar the founder and President of Catalign Innovation Consulting and Professor Rishikesha T Krishnan, Director and Professor of Strategic Management at the Indian Institute of Management (Indore) introduced to the participants a framework for innovation which they could adopt in their organizations, while Thulasiraj, Executive Director-LAICO & Director-Operations, Aravind Eye Care System and Dr Anthony Vipin Das, Consultant, L V Prasad Eye Institute, Hyderabad -shared their experiences in innovation in the area of eye care from institutions which have done pioneering work in the field.

This workshop was a platform for eye care professionals to reflect about the challenges they face in delivering quality eye care to patients at low cost across geographies and terrains and share innovative solutions they have identified and adopted to address the challenges.

Speaking about Innovation and the reason for organizing this workshop Dr Rahul Ali, Country Director, Orbis International says "Factors such as technology and finance influence the innovation process but people are the fundamental drivers behind any innovation. Hence we at Orbis believe that nurturing human capital is crucial for developing the foundation for innovation."

The occasion also marked the 10th anniversary of MGM Eye Institute.

Earlier, Dr Deepshikha Agrawal, Director of MGM Eye Institute, in her speech said that after formation of Chhattisgarh State, need of tertiary eye care was felt and MGM was started in November 22, 2004 with all sub-speciality eye care services. In ten years of its journey, MGM has given service of free of cost worth Rs 9 crores to the economically weaker section of people. The Institute is treating all complicated cases so that the patient has not to travel for long distances for treatment and the eye care equipments became costly because they are imported from other parts of the world — Dr Deepshikha emphasized.

About hundred delegates from different parts of the country like Guwahati, Bangalore, Udaipur, Dahod, Jaipur, Muradabad, Kanpur, Delhi, apart from Dr Sumeet Malhotra, Dr Samrat Chatterjee, Dr Anupam Sahu, Dr Mihir Mishra from MGM Eye Institute and Dr Steven Roy, Orbis International, New York, also participated in the Orbis parteners workshop.

Orbis is a non-profit, humanitarian organization working towards to eliminating preventable blindness across the world. Orbis prevents and treats blindness through hands-on training, public health education, improved access to quality eye care, and partnerships with local health care organizations. By building long-term capabilities, Orbis helps its partner institutions take action to reach a state where they can provide, on their own, quality eye care services that are affordable, accessible, and sustainable.

'Diabetes affects every part of body as well as vision'

Continued Medical Education in progress at MGM Eye Institute.

■ Staff Reporter
RAIPUR, Mar 22

CONTINUED Medical Education programme on 'Crusade Against Diabetic Blindness' was held at MGM Eye Institute recently.

Dr Deepshikha Agrawal, Director MGM Eye Institute welcomed all the Guest Faculty members and participants. In her speech, Dr Deepshikha expressed her view that diabetes mellitus is a chronic disease with increasing prevalence worldwide.

Amongst total diabetic patients expected by 2030, half would be in Asian countries, she added. Diabetes is such a disease that it affects every part of body as well as vision and if it is not treated properly in time, there will be possibility of blindness and hence diabetic patients should check up their eyes from time to time to avoid blindness, she emphasized.

Dr Rajvardhan Azad, former Professor of Ophthalmology and Head of Vitreo-Retina and Ocular Trauma Unit in RP Centre, AIIMS, New Delhi, in his lecture shared his experience with participants on Diabetic Macular edema and Medical management of diabetic retinopathy. Dr Parth Biswas, Chairman, ARC, AIOS delivered his lecture on 'Cataract in diabetes' and Dr Pramod S Bhende, Sankar Netralaya, Chennai shared his views in his lecture on Diabetic Vitrectomy, its indications and how to perform surgery to prevent blindness.

From MGM Eye Institute, Dr Sumeet Malhotra, delivered lecture on Lasers and Anti-VEGF in management of diabetic retinopathy and Dr Gitumoni Sharma, on Epidemilogy and pathogenesis of diabetic retinopathy. Further, in the discussions, along with eye specialists from MGM Eye Institute Dr Anupam Sahu, Dr Mihir Mishra, Dr Sagarmoy and about hundred State Ophthalmologists participated. Dr Anand Saxena, Dr Rakesh Kamran, Dr Madharia from Bilaspur, Dr Prashant Shrivastav from Durg and Dr Basant Verma were also present in the Seminar. Dr Samrat Chatterjee of MGM Eye Institute coordinated the conference.

At the end of lecture sessions there was an interesting panel discussion about the complicated cases of diabetic retinopathy

भारत में ग्लूकोमा के 12 मिलियन मरीज

रायपुर, 14 मार्च (देशबन्धु)। वर्ल्ड ग्लूकोमा सप्ताह पर एमजीएम अस्पताल के एक नेत्र चिकित्सक ने ग्लूकोमा बीमारी के प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह बीमारी काफी तेजी से फैल रही है। भारत में ही लगभग 12 मिलियन मरीज है। वहीं विश्व में इस बीमारी से अंधत्व के शिकार होने वाले लोगों की संख्या 4.5 मिलियन से अधिक हो गई है। एक पत्रकार वार्ता में एमजीएम नेत्र संस्थान के ग्लूकोमा विशेषज्ञ डॉ. अनुपम साहू ने बताया कि ग्लूकोमा एक ऐसी बीमारी है जिससे की हमारी आंखों की रोशनी धीमी गति से समाप्त होती जाती है आंखों की कोशिकाओं के मरने से आंखों की दृष्टि कम होती जाती है। चूंकि ग्लूकोमा बहुत ही धीमी गति से अचानक हमला करता है यह अति आवश्यकत है कि लोगों को प्रारंभिक लक्षणों के बारे में शिक्षित किया जाए। जिन व्यक्तियों को ग्लूकोमा के खतरे की आशंका होती है उन्हें आंख की नियमित जांच करानी चाहिए। जैसे जिनके पारिवारिक इतिहास में किसी को ग्लूकोमा हो। ग्लूकगोमा अनुवांशिक हो सकता है। 40-60 वर्ष की आयु के व्यक्ति को। ऐसे व्यक्ति जिन्हें निकट एवं दूर दृष्टि दोष हो। डायबिटीस हो। मायोशिया हो। प्रारंभिक अवस्था में पीड़ित व्यक्ति को इसके कोई लक्षण दिखाई नहीं पड़ते। समय पर पता चल जाने पर ग्लूकोमा का इलाज संभव है। आई ड्राप के द्वारा आंख के दबाव को कम किया जा सकता है। समय पर नेत्र जांच कराने से इससे होने वाले अंधत्व से बचा जा सकता है।

▸ रोग से बढ़ रहे अंधत्व के प्रकरण